Hindi

SANT GAHIRA GURU VISHWAVIDYALAYA

Sarguja Ambikapur (C.G.)

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

SYLLABUS

Master of M.A. Hindi

SEMESTER SYSTEM
SESSION 2018-19

For Affiliated Colleges of

SANT GAHIRA GURU VISHWAVIDYALAYA

Ambikapur (C.G.) -497001

Scanned with CamScanner

DEPARTMENT OF HINDI

- **M. A. in HINDI :**

  FACULTY OF ARTS

- **SECOND SEMESTER (EVEN SEMESTER)**

Eligibility Criteria (Qualifying Exams)	Course Code	Course Type	Course (Paper/Subjects)	Credits	Contact Hours Per WeeK			EoSE Duration (Hrs.)	
					L	T	P	Thy	P
After appearing in the First semester examination Irrespective of any number of back/ arrear papers	HND 201	CCC	आधुनिक काव्य	06	4	3	00	3	00
	HND 202	CCC	कथा साहित्य	06	4	3	00	3	00
	HND 203	CCC	भारतीय काव्य शास्त्र	06	4	3	00	3	00
	HND SO1	OSC	सामाजिक अधिगम और कौशल विकास	06	4	3	00	3	00
	HNDB 01	ECC/CB	भारतीय राजनैतिक व्यवस्था एवं संवैधानिकता	06	4	3	00	3	00
	HNDB 02	ECC/CB	आदिकाव्य						
	HNDB 03	ECC/CB	संत काव्य						
	HNDB 04	ECC/CB	रीति काव्य						
	HNDB 05	ECC/CB	छायावाद काव्य						
	HNDB 06	ECC/CB	स्वातंत्र्योत्तर हिंदी काव्य						
	MINIMUM CREDITS IN INDIVIDUAL SUBJECT IS 6 AND IN COMPLETE SEMESTER IT WOULD BE 30			TOTAL= 30					

COURSE CODE: HND102 **COURSE TYPE : CCC**

COURSE TITLE

आधुनिक काव्य

CREDIT: **THEORY: 6**	**PRACTICAL: NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 80+20**	**PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. विद्यार्थियों को आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियों का परिचय कराना।
2. विद्यार्थियों को आधुनिक काल के प्रबंध और मुक्तक काव्य के तात्विक स्वरूप की जानकारी देना।
3. आधुनिक युग के इन काव्य प्रकारों के विकासकम से परिचित कराना।
4. विद्यार्थियों को आधुनिक काव्य प्रकारों के तात्विक स्वरूप एवं विकासकम के परिप्रेक्ष्य में रचनाओं के आस्वादन, अध्ययन और मूल्यांकन की दृष्टि देना।

UNIT-1 18Hours	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र – यमुना शोभा, हरिऔध – प्रिय प्रवास – षष्ठ सर्ग मैथलिशरण गुप्त – साकेत (नवंम सर्ग) पाठ्यग्रन्थ आधुनिक कविता के प्रतिमान – डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी, डॉ.राजकुमार उपाध्याय मणि
UNIT- 218Hours	जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिंता, श्रद्धा, लज्जा सर्ग)
UNIT-3 18 Hours	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : बादल राग, संध्या सुन्दरी, स्नेह निर्झर बह गया, जूही की कली सरोज स्मृति, राम की शक्तिपूजा
UNIT-4 18 Hours	सुमित्रानंदन पंत : नौका विहार, ताज, भारतमाता, परिवर्तन,
UNIT 5 18 Hours	महादेवी वर्मा : बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मै नीर भरी दुख की बदली, धीरे–धीरे उतर क्षितिज से आ बसंत रजनी, यह मंदिर का दीप इसे नीरवनेजले, पिक हौल–हौले बोल पंथ होने दो अपरिचित।

Scanned with CamScanner